SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Chemist / Junior Chemist (Rajasthan)

रसायनज्ञ वह अधिकारी है जो सरकारी प्रयोगशाला में नमूनों का रासायनिक विश्लेषण करता है और उस विश्लेषण के आधार पर विभाग निर्णय लेता है। राजस्थान में यह नाम एक पद का नहीं, कई पदों का है, और वे अलग-अलग विभागों में अलग शर्तों पर आते हैं...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-chemist

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

रसायनज्ञ वह अधिकारी है जो सरकारी प्रयोगशाला में नमूनों का रासायनिक विश्लेषण करता है और उस विश्लेषण के आधार पर विभाग निर्णय लेता है। राजस्थान में यह नाम एक पद का नहीं, कई पदों का है, और वे अलग-अलग विभागों में अलग शर्तों पर आते हैं — इसलिए आवेदन से पहले यह देखना आवश्यक है कि विज्ञप्ति किस विभाग की है। सबसे हाल में सक्रिय पद भूजल विभाग का कनिष्ठ रसायनज्ञ है, जिसका काम भूजल के नमूनों की जाँच है: पानी में लवण, कठोरता, फ्लोराइड, नाइट्रेट एवं अन्य तत्वों की मात्रा तय करना, और यह बताना कि वह पानी पीने अथवा सिंचाई के योग्य है या नहीं। राजस्थान में इस काम का महत्त्व असामान्य रूप से अधिक है, क्योंकि राज्य का बड़ा भाग भूजल पर निर्भर है और उसमें फ्लोराइड एवं खारेपन की समस्या व्यापक है — जिस रिपोर्ट पर किसी गाँव के हैंडपंप को सुरक्षित या असुरक्षित घोषित किया जाता है, वह इसी प्रयोगशाला से निकलती है। दूसरा पद आबकारी प्रयोगशाला का रसायनज्ञ है, जिसकी शर्तें भिन्न हैं और वे भी नीचे दी गई हैं।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	कनिष्ठ रसायनज्ञ (भूजल): अकार्बनिक रसायन अथवा विश्लेषणात्मक रसायन में एम.एससी. + जल एवं सिलिकेट विश्लेषण का 2 वर्ष का अनुभव। रसायनज्ञ (आबकारी प्रयोगशाला): रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — विभाग: भूजल, अथवा आबकारी प्रयोगशाला
आयु-सीमा	भूजल विभाग: 20 से 40 वर्ष (सेवा नियम 1969)। आबकारी प्रयोगशाला: 18 से 40 वर्ष (सेवा नियम 2015) — दोनों में आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें
माँग	कनिष्ठ रसायनज्ञ: 75% सीधी भर्ती, 25% पदोन्नति। आबकारी रसायनज्ञ: 50% सीधी भर्ती, 50% पदोन्नति

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- रसायन विज्ञान एवं प्रयोगशाला के काम में रुचि
- जनस्वास्थ्य एवं पर्यावरण से जुड़ा तकनीकी काम
- सटीक मापन एवं विश्लेषण

क्षमताएँ

- अत्यंत सावधानी — एक गलत रीडिंग पूरी रिपोर्ट को भ्रामक बना देती है
- उपकरणों के संचालन एवं अंशांकन की समझ
- व्यवस्थित एवं धैर्यपूर्ण कार्यशैली

ज़रूरी कौशल

- जल विश्लेषण — लवणता, कठोरता, फ्लोराइड, नाइट्रेट एवं अन्य तत्वों की जाँच
- आयतनमापी एवं यंत्रीय विश्लेषण की विधियाँ
- गुणवत्ता नियंत्रण एवं मानक प्रक्रियाओं का पालन
- सिलिकेट एवं शैल-नमूनों का विश्लेषण
- प्रयोगशाला उपकरणों का संचालन, अंशांकन एवं रख-रखाव
- विश्लेषण रिपोर्ट एवं प्रयोगशाला अभिलेख तैयार करना

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान (भौतिकी, रसायन, गणित अथवा जीव विज्ञान) उत्तीर्ण करें।
2. रसायन विज्ञान में बी.एससी. करें, फिर एम.एससी.। भूजल विभाग के कनिष्ठ रसायनज्ञ के लिए एम.एससी. की शाखा निर्धारित है — अकार्बनिक रसायन अथवा विश्लेषणात्मक रसायन। यह सूची बंद है, इसलिए एम.एससी. की विशेषज्ञता चुनते समय यह ध्यान में रखें; कार्बनिक रसायन अथवा भौतिक रसायन से यह पद नहीं मिलता। आबकारी प्रयोगशाला के रसायनज्ञ के लिए शर्त केवल रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर की है, शाखा निर्धारित नहीं।
3. भूजल विभाग के पद के लिए जल एवं सिलिकेट विश्लेषण का दो वर्ष का अनुभव अनिवार्य है। यह पात्रता की शर्त है, वरीयता नहीं — अर्थात् यह पद एम.एससी. पूरी होते ही नहीं मिलता। अनुभव प्रयोगशालाओं, जल परीक्षण इकाइयों, खनिज एवं भूवैज्ञानिक प्रयोगशालाओं अथवा उद्योग की गुणवत्ता-नियंत्रण इकाइयों में बनता है, और वह अवधि वेतन के साथ बीतती है।
4. आयु: भूजल विभाग के पद के लिए 20 से 40 वर्ष; आबकारी प्रयोगशाला के पद के लिए 18 से 40 वर्ष। दोनों में गणना आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को होती है।
5. विज्ञप्ति आने पर यह अवश्य देखें कि वह किस विभाग की है, क्योंकि पद का नाम एक जैसा दिखते हुए भी योग्यता, अनुभव एवं आयु तीनों भिन्न हो सकते हैं।
6. आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति पर आवेदन करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- भर्ती राजस्थान लोक सेवा आयोग करता है। भूजल विभाग का कनिष्ठ रसायनज्ञ 75% सीधी भर्ती एवं 25% पदोन्नति से भरा जाता है — यह अपेक्षाकृत ऊँचा सीधी-भर्ती अनुपात है और इस पद की एक अनुकूल विशेषता है। पदोन्नति तकनीकी सहायक (रसायन) के पद से 2 वर्ष के अनुभव पर होती है।
- दो वर्ष के अनुभव की शर्त पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि यह इस पद की योजना बदल देती है। यह वही आकार की शर्त है जो कारखाना एवं बॉयलर निरीक्षक के पद पर बॉयलर के अनुभव की है: डिग्री पूरी होते ही आवेदन संभव नहीं, और उन दो वर्षों को खाली प्रतीक्षा के बजाय पात्रता बनाने का समय मानकर चलना चाहिए। जल विश्लेषण का अनुभव उन्हीं प्रयोगशालाओं में बनता है जिनका काम आगे इस पद पर करना है, इसलिए वह अवधि व्यर्थ नहीं जाती।
- ध्यान दें — ये पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं हैं, इसलिए इनके लिए सी.ई.टी. उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं। ये आयोग के पद हैं, बोर्ड के नहीं।
- आबकारी प्रयोगशाला का रसायनज्ञ 50% सीधी भर्ती एवं 50% पदोन्नति से भरा जाता है। वहाँ पदोन्नति का रास्ता भी अलग है — सहायक के पद से, जिसके लिए रसायन विज्ञान सहित बी.एससी. के साथ 5 वर्ष का अनुभव, अथवा रसायन विज्ञान सहित माध्यमिक के साथ 7 वर्ष का अनुभव नियमों में दर्ज है।
- आयोग की विज्ञप्ति-सूची से इस परिवार के पदों की भर्ती के अनेक चक्र पुष्ट होते हैं — "JUNIOR CHEMIST 2025" (नवीनतम दस्तावेज़ 23-02-2026), तथा उससे पहले JUNIOR CHEMIST 2024, 2014 एवं 2011, और CHEMIST 2021, 2015, 2014 एवं 2011, तथा SR. CHEMIST 2015। अर्थात् दोनों परिवार समय-समय पर लौटते रहते हैं, यद्यपि नियमित अंतराल पर नहीं।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- University of Rajasthan — M.Sc. Chemistry, including inorganic and analytical specialisations — जयपुर, राजस्थान (https://uniraj.ac.in/)
- Jai Narain Vyas University, Mohanlal Sukhadia University, MDS University, MGS University — M.Sc. Chemistry — जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, बीकानेर
- Government colleges — B.Sc. with chemistry — राजस्थान के सभी ज़िले (https://hte.rajasthan.gov.in/)
- Government and departmental water testing laboratories — where the two years of experience are actually built — ज़िला एवं संभाग स्तर पर

ऑनलाइन

- भूजल विभाग, राजस्थान — कनिष्ठ रसायनज्ञ इसी विभाग का पद है (https://phedwater.rajasthan.gov.in/)
- आबकारी विभाग, राजस्थान — आबकारी प्रयोगशाला — रसायनज्ञ का दूसरा पद इसी विभाग में है (https://excise.rajasthan.gov.in)
- Central Ground Water Board — groundwater quality data and reports — भारत सरकार (https://cgwb.gov.in/)
- Bureau of Indian Standards — IS 10500, the drinking water specification this work is measured against — भारत सरकार (https://bis.gov.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

बी.एससी. एवं एम.एससी. दोनों राजस्थान के राजकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में बहुत कम शुल्क पर हो जाते हैं, और रसायन विज्ञान के विभाग लगभग हर संभाग में हैं — इस पद तक पहुँचने के लिए राज्य से बाहर जाना आवश्यक नहीं। एम.एससी. चुनते समय एक बात ध्यान में रखें: भूजल विभाग के पद के लिए शाखा निर्धारित है, इसलिए अकार्बनिक अथवा विश्लेषणात्मक रसायन लेना उस राह के लिए आवश्यक है और यह निर्णय प्रवेश के समय ही लेना होता है। दो वर्ष के अनुभव की शर्त इस राह की सबसे व्यावहारिक विशेषता है और वह खर्च नहीं, आय है — वह अवधि किसी प्रयोगशाला अथवा गुणवत्ता-नियंत्रण इकाई में वेतन के साथ बीतती है। तैयारी की सामग्री का बड़ा भाग निःशुल्क उपलब्ध है, और भारतीय मानक ब्यूरो का पेयजल मानक तथा केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्टें वही सामग्री हैं जिन पर यह काम रोज़ टिका रहता है।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

भूजल विभाग की ज़िला एवं संभाग स्तर की प्रयोगशालाएँ, तथा आबकारी प्रयोगशाला। काम मुख्यतः प्रयोगशाला के भीतर होता है, और उसके साथ नमूना संग्रह हेतु क्षेत्र-भ्रमण भी रहता है।

कार्य-संस्कृति

प्रयोगशाला का काम शांत, नियमित एवं अनुशासित होता है — घंटे निश्चित रहते हैं और दिनचर्या अधिकांश क्षेत्र-पदों से कहीं अधिक स्थिर। इसका स्वभाव सूक्ष्मता का है: नमूना लेने से लेकर रिपोर्ट लिखने तक हर चरण की प्रक्रिया निर्धारित है, और उसी अनुशासन पर परिणाम की विश्वसनीयता टिकी होती है। इस पद की ज़िम्मेदारी दिखने से बड़ी है, और यह बात भूजल विभाग में विशेष रूप से सच है: जिस रिपोर्ट में किसी स्रोत का फ्लोराइड अथवा खारापन दर्ज होता है, उसी के आधार पर यह तय होता है कि किसी गाँव को वह पानी पीने योग्य बताया जाए या नहीं — और उस निर्णय का असर वहाँ रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर वर्षों तक पड़ता है। काम में नाम नहीं आता, परिणाम आता है: रिपोर्ट आगे विभाग के आदेशों, योजनाओं एवं परियोजनाओं में उद्धृत होती रहती है, पर उस पर विश्लेषक का नाम नहीं होता। जिन्हें सटीकता में संतोष मिलता है और जो शांत, व्यवस्थित काम चाहते हैं, उनके लिए यह उपयुक्त पद है।

कौन नौकरी देता है

- भूजल विभाग, राजस्थान — ज़िला एवं संभाग प्रयोगशालाएँ
- आबकारी विभाग, राजस्थान — आबकारी प्रयोगशाला

- जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की जल परीक्षण इकाइयाँ
- खनिज एवं औद्योगिक गुणवत्ता-नियंत्रण प्रयोगशालाएँ (अनुभव अर्जित करने हेतु भी)

माँग (2026)

राजस्थान का बड़ा भाग भूजल पर निर्भर है और फ्लोराइड, खारापन एवं नाइट्रेट की समस्याएँ व्यापक हैं, इसलिए जल की गुणवत्ता जाँचने वाली प्रयोगशालाओं की आवश्यकता स्थायी है — और यही इस पद के बने रहने का आधार है। आयोग की सूची से पता चलता है कि इस परिवार के पद समय-समय पर लौटते हैं, और सबसे हाल की भर्ती कनिष्ठ रसायनज्ञ 2025 है जिसका दस्तावेज़ फ़रवरी 2026 तक का है। फिर भी संवर्ग छोटा है और भर्ती नियमित अंतराल पर नहीं आती। इस राह की योजना बनाते समय दो बातें व्यावहारिक रूप से उपयोगी हैं। पहली, दो वर्ष का अनुभव वैसे भी बनाना है, इसलिए एम.एससी. के बाद किसी प्रयोगशाला में काम आरंभ कर देना दोहरा लाभ देता है — आय भी और पात्रता भी। दूसरी, एम.एससी. रसायन केवल इसी पद के लिए नहीं है: औषधि एवं रसायन उद्योग की गुणवत्ता-नियंत्रण इकाइयाँ, प्रदूषण नियंत्रण मंडल, खाद्य एवं औषधि प्रयोगशालाएँ, शिक्षण तथा अन्य सरकारी भर्तियाँ सब इसी योग्यता से खुलती हैं। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. तकनीकी सहायक (रसायन) — जिससे 2 वर्ष के अनुभव पर कनिष्ठ रसायनज्ञ के 25% पदों पर पदोन्नति होती है
2. कनिष्ठ रसायनज्ञ — 75% सीधी भर्ती, 25% पदोन्नति
3. वरिष्ठ रसायनज्ञ — पदोन्नति से, कनिष्ठ रसायनज्ञ के पद पर 5 वर्ष के अनुभव तथा अकार्बनिक अथवा विश्लेषणात्मक रसायन में एम.एससी. के आधार पर
4. भूजल विभाग की प्रयोगशाला एवं तकनीकी शाखा के वरिष्ठ पद

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹55,000 – ₹75,000 (भत्तों सहित, कुछ वर्षों बाद)
वरिष्ठ स्तर	₹85,000 से अधिक (भत्तों सहित, वरिष्ठ रसायनज्ञ स्तर पर)

1969 एवं 2015 के सेवा नियमों में इन पदों के लिए पे मैट्रिक्स का स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। एक बात ध्यान रखने योग्य है: दोनों पद अलग विभागों के हैं और उनका वेतनमान एक जैसा होना आवश्यक नहीं — विज्ञप्ति में वही देखें जो उस पद पर लागू है। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- कनिष्ठ रसायनज्ञ में 75% सीधी भर्ती — अपेक्षाकृत ऊँचा अनुपात
- प्रयोगशाला का शांत एवं नियमित कार्य-वातावरण
- दो वर्ष का अनुभव वेतन के साथ बनता है और वह पात्रता भी है
- वही एम.एससी. उद्योग, प्रदूषण नियंत्रण, औषधि प्रयोगशालाओं एवं शिक्षण में भी चलती है
- काम का सामाजिक महत्त्व स्पष्ट — पेयजल की सुरक्षा इसी जाँच पर टिकी है

चुनौतियाँ

- भूजल विभाग के पद के लिए एम.एससी. की शाखा निर्धारित है — कार्बनिक अथवा भौतिक रसायन से पात्रता नहीं
- जल एवं सिलिकेट विश्लेषण का दो वर्ष का अनुभव अनिवार्य, इसलिए एम.एससी. के तुरंत बाद यह पद उपलब्ध नहीं
- संवर्ग छोटा है और भर्ती नियमित अंतराल पर नहीं आती
- "रसायनज्ञ" नाम के कई पद अलग विभागों में हैं, जिससे विज्ञप्ति पढ़ने में भ्रम होता है
- काम का श्रेय अदृश्य रहता है — रिपोर्ट आगे जाती है, विश्लेषक का नाम नहीं

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान भूजल सेवा नियम, 1969 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/2023051803573 68296118GWD1969_merged.pdf

2. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान आबकारी प्रयोगशाला (राज्य एवं अधीनस्थ) सेवा नियम, 2015 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/mod ulCategory/2026051305324011153 58excise2015_merged.pdf

3. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

4. केंद्रीय भूजल बोर्ड — https://cgwb.gov.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in